हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, शनिवार, 6 जुलाई 2024

11 लुवास वैज्ञानिकों की पशु चिकित्सकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

12 भारी बरसात के बाद नगर परिषद ने शुरू करवाई नाले की सफाई

स्कूल बस हादसा: एसडीजेएम कोर्ट में 1156 पेज का चालान दाखिल होने के बाद सभी आरोपियों की हुई पेशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना-दादरी सड़क मार्ग पर उन्हाणी गांव के समीप 11 अप्रैल को ईद पर्व के अवकाश के दिन घटित जीएल स्कूल बस हादसा हुआ था। इसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से संलिप्त स्कूल की प्रिंसिपल, शिक्षा समिति सचिव, चेयरमैन, एमडी व बस चालक सहित कुल नौ व्यक्तियों की गिरफ्तारी की गई। इसके बाद पुलिस की ओर से एसडीजेएम कोर्ट कनीना में दाखिल किए गए 1156 पेज के चालान के बाद आरोपितों को शुक्रवार को एसडीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने उनका पक्ष जानकर उनके हस्ताक्षर करवाकर उन्हें वापस नसीबपुर जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसंधान अधिकारी ने बताया कि केस में 105 व्यक्तियों को गवाह बनाया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में से माननीय न्यायालय ने अभी तक किसी भी आरोपित की जमानत अर्जी स्वीकार नहीं की है। चालान पेश करने के बाद मृतक विद्यार्थियों के परिजनों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि इस हादसे में झाड़ली गांव के चार तथा धनौंदा के दो सहित छह विद्यार्थियों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा अधिकांश घायल हो गए थे। इधर, पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने के लिए 11 मई को उन्हाणी में न्याय महापंचायत का आयोजन किया गया था। जिसके बाद प्रदेश सरकार की ओर से मृतक छात्रों के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि जारी की गई है। पुलिस ने हादसे के आरोपित बस चालक धर्मेंद्र वासी सेहलंग, स्कूल की प्राचार्या दीप्ती राव, जीएल शिक्षा समिति के सचिव होशियार सिंह, चेयरमैन राजेंद्र सिंह लोढा, एमडी सुभाष चंद के अलावा बस चालक के साथ बस में शराब पीने वाले हरीश, भूदेव, संदीप व नरेश कुमार सहित कुल नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पीड़ित परिजनों ने पुलिस कार्रवाई पर संतुष्टि जताई है।

इस बारे में सिटी थाना इंचार्ज रवि मेहरा ने बताया कि पुलिस की ओर से हाल ही में 1156 पेज का चालान कोर्ट में पेश किया था। आरोपितों को कोर्ट में पेश किया गया। चालान के मुताबिक कोर्ट में 105 व्यक्तियों की गवाही होगी।

कनीना। आरोपियों को एसडीजेएम कोर्ट में पेशी पर लेकर आई पुलिस वैन। फोटो : हरिभूमि

जब हादसा हुआ तो प्रशासन ने की थी सख्ती, अब ढिलाई

कनीना में स्कूल बस हादसे में जब छह बच्चों की दर्दनाक मौत हुई तो जिला व प्रदेश ही नहीं पूरे देश में चर्चा हुई थी। राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री व अन्य बड़े राजनेताओं ने दुखद घटना बताकर कड़ी कार्रवाई और सख्ती करने के निर्देश दिए थे। मीडिया में भी यह हादसा कई दिनों तक चर्चा में रहा। इसी कारण प्रशासन ने भी कुछ दिनों सख्ती दिखाई। जैसे-जैसे हादसे के बाद समय बीतता चला गया, प्रशासन की सख्ताई भी ढ्रीली हो गई। गर्मी की छुट्टी में स्कूल बंद थे। स्कूल प्रशासन को आदेश दिए थे कि जो भी वाहन संबंधित कमियां है, उन्हें पूरा कर लें। अब एक जुलाई से स्कूल खुल चुके है। एक दिन पहले जरूर एडीसी ने स्कूल बस की जांच पड़ताल की। यह खबर तक सरकारी विज्ञप्ति के माध्यम से मीडिया को मिली तो इसमें कितने स्कूल वाहनों की जांच की, यह सूचना नहीं दी गई। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, स्कूल वाहनों की कमी की जांच करने का सिलसिला भी थम सा गया है।

खबर संक्षेप

तंगी से परेशान दुकानदार ने किया सुसाइड

नारनौल। शहर के मोहल्ला संघीवाड़ा में करीब 54 वर्षीय होशियार सिंह सोनी ने घर पर ही फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि मृतक आर्थिक रूप से तंग था और इस वजह से परिवार में घरेलू कलह भी रहता था। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान पर आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत दोपहर को नागरिक अस्पताल से शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया।

साइबर ठगी के मामले में एक और आरोपित पकड़ा

नारनौल। वीडियो कॉल कर रिकॉर्डिंग करके यूट्यूब पर वीडियो वायरल करने के नाम पर साइबर क्राइम करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान अभिषेक पाल वासी कौशलपुर आगरा यूपी के रूप में हुई है। पुलिस ने जांच में पता लगाया कि ठगी की वारदात को अंजाम देने में आरोपित की सिम का प्रयोग हुआ था।

नौकरी व दिल्ली में प्लाट दिलाने के नाम पर 80 लाख की ठगी

- फर्जी निकला ज्वाइनिंग लेटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर के नजदीक गांव सुराना में खेतीबाड़ी करने वाले व्यक्ति ने दामाद को नौकरी लगवाने व दिल्ली में प्लाट दिलाने की एवज में 80 लाख की ठगी हो गई। ज्वाइनिंग लेटर दिया तो वह भी फर्जी मिला। सदर पुलिस ने दिल्ली वासी आरोपित निशांत के खिलाफ आईपीसी की धारा 420,468,471 के तहत केस दर्ज किया है।

गांव सुराना वासी धर्मपाल ने शिकायत में बताया है कि वह खेतीबाड़ी करता है। दिल्ली के द्वारका साउथ सेक्टर छह के अपार्टमेंट में निशान्त रहता है। उसकी रिश्तेदार दीपक से अच्छी दोस्ती थी। घर तक दीपक का आना जाना था। दीपक रिश्तेदार होने के कारण ही निशांत से जान पहचान हो गई। एक दिन निशांत ने उसे व दीपक को कहा कि बड़े अधिकारियों से उसकी सैटिंग है। अगर परिवार में किसी बच्चे को नौकरी लगवानी है तो बताना। इस विश्वास के बाद सगे दामाद को नौकरी दिलवाने के लिए निशांत से बात की। उसने कहा पैसा लगेगा। बातों में आ गए। अगले दिन नौकरी लगवाने व दिल्ली में ही एक प्लाट दिलवाने के लिी अपने रिश्तेदारों अमरपाल, महावीर, रामफल, महेंद्र व मनीषा से उधार पैसे लिए और नगद व कुछ बैंक खातों में 8 लाख रुपये निशांत को दे दिए। साल 2019 व 2020 में 74 लाख 60 हजार नकद और चेक के माध्यम से आरजीएसटी करवाकर धर्मपाल के खाते से 5.40 लाख रुपये डाले गए। इसके बाद निशांत से वायदे के अनुसार नौकरी लगाने व प्लाट बारे कहा तो उसने लॉकडाउन में रजिस्ट्रियां नहीं होना कारण बताया। काफी दिन बीत गए। दबाव दिया तो दामाद की नौकरी का ज्वाइनिंग लेटर दिया।

दामाद के साथ हम ज्वाइनिंग लेटर पर लिखे पते पर पहुंचे तो पता चला फर्जीवाड़ा हुआ है। यह फर्जी लेटर है। निशांत व उसके भाई प्रशांत व सुधा से संपर्क किया तो जवाब मिला पैसा वापिस मिल जाएगा। निशांत ने तीन चेक 17.40 लाख के भी दिए। वह भी बाउंस हो गए। हर बार पैसा लौटाने की नई तारीख दे रहा है।

विधायक बोले, समाधान नहीं होने पर मैं भी और प्रधान दोनों बैठेंगे धरने पर

धरना स्थगित लेकिन टेंट लगा रहेगा, 7 दिन में समाधान वरना एमएलए भी धरने पर बैठेंगे

- तब तक 9 जुलाई को होने वाली बैठक का पार्षदों ने किया बहिष्कार, 13 पार्षदों ने लिखित में जारी किया पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नगर परिषद में बिगड़ी व्यवस्था को लेकर पार्षदों के धरने की खबर सुन विधायक ओमप्रकाश यादव आगे आए है। उन्होंने शुक्रवार पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में शाम को पहले धरने पर बैठे पार्षदों को बुलाया। पार्षद नितिन चौधरी, राजेंद्र टिंकू व अजय सिंघल और पार्षद प्रतिनिधि धर्मेंद्र भांखर पहुंचे। खुद के वार्ड सहित शहर की जनसमस्या व नगर परिषद प्रशासन की कार्यप्रणाली से विस्तार से अवगत करवाया। पार्षदों की सुनने के बाद विधायक ने डीएमसी महावीर सिंह को बुलाया। उनका पक्ष भी जाना। फिर प्रधान कमलेश सैनी को बुलाया गया। करीब एक घंटे चली इस बातचीत के बाद तय हुआ कि पार्षदों की इन सभी समस्याओं को एक सप्ताह में हल किया जाए। इसके बाद विधायक, प्रधान व डीएमसी तीनों धरना स्थल पर पहुंचे। पार्षदों ने लामबंद होकर कहा कि विधायक जी, एक सप्ताह में सभी समस्या का समाधान का आप भरोसा दिला रहे है। हम आपकी बात रख रहे है पर एक सप्ताह में समाधान नहीं हुआ तो इस धरने पर आपको भी बैठना होगा। यह सुनकर विधायक ने स्पष्ट कहा कि बिल्कुल एक सप्ताह में समाधान होगा वरना मैं और प्रधान दोनों आपके साथ धरने पर बैठेंगे। इस आश्वासन के बाद पार्षदों ने धरना जरूर स्थगित कर दिया पर टैण्ट तब तक लगाए रखने की बात कही। उनका मानना था कि सप्ताह भर रोजाना अधिकारियों व राजनेताओं को टैण्ट दिखाई देगा तो समाधान करने की भागदौड़ पूरी करेंगे।

इससे पहले शुक्रवार सुबह धरना देते वक्त पार्षद नितिन चौधरी ने कहा कि जैसा की धरने के पहले दिन देखा गया स्वयं प्रधान ही पार्षद साथियों की साथ धरने पर यह कहके बैठती हुई नजर आई कि मैं पार्षदगण की नाराजगी से वाकिफ हूँ और मैं उनकी समस्याओं को अधिकारियों की कारण सही नहीं कर पाती। अब सवाल यह उठता हैं कि जब प्रधान स्वयं भाजपा की सदस्या हैं और स्थानीय विधायक, सांसद, प्रदेश व केंद्र में सरकार भाजपा की हैं तो ये उनके लिए ही बड़े शर्म की बात हैं, वे अपने पार्षदगण की बात ऊपर तक नहीं पहुंचा पा रही हैं। वे ये कहकर अपनी बेबसी का पल्ला नहीं झाड़ सकती कि अधिकारी उनकी नहीं सुनते हैं। आप सत्ता में हो और यदि अधिकारी गलत हैं तो आप उसकी पुष्टि संबंधित विभाग के मंत्री और आपके बेहद नजदीक माने जाने वाले मुख्यमंत्री को शिकायत करके तबादला करवाए। केवल धरने पर पार्षदगण के साथ बैठकर बेबसी जाहिर करने के लिए जनता ने आपको पूरे हरियाणा का सबसे बड़ा जनमत नहीं दिया था। आप को खुद का झंडा बुलंद करना ही होगा। अधिकारियों से काम कैसे करवाना हैं ये समझ आप में होनी चाहिए। कैसे पार्षद गण की शिकायतों को दूर करना हैं, उसका खाका आपके जहन में होना चाहिए। सभी पार्षद ने बताया कि कुछ देर बारिश होते ही जलभराव का सबसे बड़ा उदहारण खुद नगर परिषद का मुख्य द्वार हैं। जहां बारिश में तीन फिट तक पानी भर जाता हैं। महाराजा अग्रसेन चितवन वाटिका का मुद्दा बार-बार उठता आया हैं। स्वयं मुख्यमंत्री भी इसकी तस्दीक कर चुके हैं उसके बाद भी यहां नगर परिषद की सांठ गांठ से इसको छोटी सब्जी मंडी बनाकर इसके अस्तित्व को खत्म करने की कोशिश की जा रही हैं। यहीं अस्तित्व ख्त्म करने की कोशिश भगवान महावीर पार्क के लिए की गई। अटल पार्क के निर्माण में देरी का भी यहीं उदहारण हैं कि बरसों से निर्मित हो रहे इस पार्क को नगर परिषद कब आमजन को सौंपेंगी।

नारनौल। विधायक के आश्वासन के बाद अपना पक्ष रखते पार्षद। फोटो : हरिभूमि

तीसरे दिन सीएम के साथ बैठकर फोटो खींचवाती हो, वहां कहो : मटरू

आप नेता रविंद्र सिंह मटरू ने पार्षद के धरने को लेकर कहा कि प्रधान भी उनका। सब कुछ होने के बाद भी आज एक नया नाटक किया है कि टैण्ट लगाकर बैठे है और इल्जाम लगाते है कि अधिकारी काम नहीं करते। अधिकारी किसके। अधिकारी तो सरकार के है। अगर कोई अधिकारी अच्छा काम नहीं कर रहा तो उसे बदलो। प्रधान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि आप तीसरे दिन मुख्यमंत्री के साथ बैठकर फोटो खींचवाकर आते हो तो उनके समक्ष यह बात नहीं कर सकते कि अधिकारी निकम्मा है, इसकी बदली करो। आपकी सरकार है आप मुख्यमंत्री के नजदीक है। जनता ने आपको वोट दिया। किस मुंह से आप पांच साल बाद जनता के बीच जाओंगे। आप अधिकारी की बदली की बात ऊपर करो। अगर अधिकारी भ्रष्टाचार कर रहा है तो सरकारी सिस्टम है, सीएम फ्लाइंग है, विजिलेंस है, पुलिस है, उनको पकड़वाओ।

नौ जुलाई की सदन बैठक का बहिष्कार का ऐलान

धरने पर बैठे पार्षद राजेंद्र टिंकू सैनी ने बताया कि नौ जुलाई को पार्षदों के सदन की बैठक बुलाई गई है। कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर हम पार्षद इन बैठक का बहिष्कार कर रहे है। अब तक विधायक ने पार्षदों की हर समस्या का समाधान एक सप्ताह में करवाने का आश्वासन दिया है तो इसी सप्ताह में बैठक की नौ तारीख आ रही है। इस कारण जब तक पार्षदों की समस्या का समाधान नहीं होता, सदन बैठक का बहिष्कार है। इस मौके पर पार्षद अजय सिंघल, रविन्द्र भांखर, अतर सिंह, देवेंद्र, काशीराम सैनी, सोनम यादव, संजय पटवारी, पार्षद प्रतिनिधि विनोद सैनी, पार्षद प्रतिनिधि धर्मेन्द्र भांखर एडवोकेट, पार्षद प्रतिनिधि अरुण यादव एडवोकेट, पार्षद प्रतिनिधि भास्कर खनगवाल, पार्षद प्रतिनिधि अनिल यादव आदि उपस्थित रहें। इसके अलावा विजय गौस्वामी, अशोक शर्मा व सफाई कर्मचारी यूनियन व पार्क गली के सभी व्यापारी भी धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए।

पांच माह में बढ़े 138324 नए राशन कार्ड जुलाई माह से मिलेगा योजनाओं का लाभ

- पांच माह में प्रदेश में बने है 138324 नए राशन कार्ड, जिनमें से 135189 है बीपीएल राशन कार्ड
- महेंद्रगढ़ जिला में पांच माह बने 5338 नए राशन कार्ड, 4080 बने बीपीएल कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

प्रदेश में पांच माह राशनकार्ड की संख्या 4486954 से बढ़कर 4625278 पहुंच गई हैं। इस दौरान 138324 नए राशन कार्ड हैं। वहीं सरकार की ओर से जुलाई माह में जारी हुई नई बीपीएल लिस्ट में 135189 परिवार शामिल हैं। नए बीपीएल राशन कार्डधारकों को जुलाई माह से ही सरकार की ओर से चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

बता दें कि प्रदेश सरकार की ओर से परिवार पहचान पत्र के आधार पर राशनकार्ड बनाए जा रहे हैं। सरकार की ओर से 1.80 लाख रुपये से अधिक आमदनी वाले परिवार के एपीएल, 1.80 रुपये तक आमदनी वाले परिवार वाला बीपीएल व आर्थिक रूप से अधिक कमजोर परिवार के एएवाई श्रेणी में रखा गया हैं। एएवाई लाभार्थी परिवार को 35 किलो अनाज वितरित किया जाता हैं। वहीं बीपीएल परिवार को प्रति सदस्य 5 किलो अनाज वितरित किया जाता हैं। केंद्र सरकार की ओर से सभी पात्र परिवारों को फ्री अनाज वितरित किया जाता हैं। वहीं चीनी 13.50 रुपये प्रति किलो व लीटर तेल 20 रुपये में वितरित किया जा रहा है।

प्रदेश में बने हैं 135189 नए बीपीएल राशनकार्ड

प्रदेश में अभी तक 4625278 राशनकार्ड बन चुके हैं। इनमें से 292361 कार्ड गुलाबी श्रेणी के हैं। वहीं 4332917 पीली श्रेणी के राशनकार्ड हैं। नई बीपीएल लिस्ट के अनुसार प्रदेश में 13589 नए बीपीएल राशनकार्ड बने हैं। अंबाला जिला में 6730, भिवानी 6311, दादरी में 1437, फरीदाबाद में 11597, फतेहाबाद में 5488, गुरुग्राम में 5533, हिसार में 6436, झज्जर में 4704, जींद में 8256, कैथल में 8348, करनाल में 10201, कुरूक्षेत्र में 4959, महेंद्रगढ़ 4080, मेवात में 4949, पलवल में 6928, पंचकुला 2591, पानीपत 6544, रेवाड़ी 5422, रोहतक 6313, सोनीपत 6354, यमुनानगर 5897 नए बीपीएल राशनकार्ड बने हैं।

स्कूल बस का टायर निकला, हादसा टला

महेंद्रगढ़। शुक्रवार सुबह एक निजी स्कूल की बस का पिछला टायर निकल गया। हादसे के वक्त बस में 28 बच्चे सवार थे। हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। निजी स्कूल की बस गांव नांगल सिरोही से बच्चों को लेकर आ रही थी। करीब आठ बजे जब बस महेंद्रगढ़ बस स्टैंड के सामने पहुंची तो अचानक बस का पिछला टायर निकल गया। टायर निकल कर करीब 20 फीट दूर खड़ी एक गाड़ी के बोनट से जा टकराया, जिसके कारण गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि जोड़े में दो टायर थे जिस कारण चालक बस को नियंत्रित कर पाया। हादसे के बाद सभी बच्चे चालक व परिचालक सुरक्षित थे, किसी को भी चोट नहीं आई है।

हैप्पी कार्ड दिखाने पर भी बुजुर्ग का काटा पूरा टिकट, दुखी मन से सरकार को कोसा

- बुजुर्गों के पास हैप्पी कार्ड होने पर भी बस परिचालक सरकार को धनाइय बनाने या फिर सरकार की साख खराब करने के लिए काट रहे हैं उनका पूरा टिकट
- बुजुर्ग महिला को बस में अपमानित करने तथा बस रोककर उतारने का प्रयास करने वाले संबंधित कर्मचारी को किया जाए सस्पेंड
- सरकार की योजनाओं को पलिता लगाने वाले कर्मचारी पर कार्रवाई के लिए जीएम सहित सीएम तक भेजी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

बुजुर्गों के पास हैप्पी कार्ड होने के बाद भी बस परिचालक सरकार को धनाड्य बनाने या फिर सरकार की सांख खराब करने के लिए टिकट काटने के नाम पर सवारियों के सामने उसके सम्मान को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। ऐसे कुछ वरिष्ठ नागरिक टिकट लेकर यात्रा कर चुपचाप अपने घरों को चले जाते हैं तथा योजनाओं को खोखला बताते हुए सरकार को ही कोसते नजर आते हैं। ऐसा ही एक मामला बीते दिवस सामने आया।

नारनौल से महेंद्रगढ़ आ रही 68 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला बुल्ली देवी के पास हैप्पी कार्ड होने के बाद भी परिचालक ने उसे अन्य दस्तावेज दिखाने को कहा। महिला ने बताया कि अभी उसके पास ओर कोई दस्तावेज नहीं हैं। बस स्टैंड पर पहुंचकर मंगवाकर दिखा देंगी। इस पर बस परिचालक ने बुजुर्ग महिला का अपमान करते हुए उसे पूरा टिकट लेने के लिए बाध्य किया।

इस दौरान बस में बैठी अन्य सवारियों ने भी परिचालक को महिला की उम्र को देखते हुए उसके कार्ड को स्वीकार करने का अनुरोध किया, परंतु परिचालक ने इसके विपरीत उस महिला को रास्ते में ही उतारने के लिए बस रूकवा दी। इस पर बुजुर्ग महिला ने सोचा कि वह यहां उतरकर कैसे अपने घर पहुंचेंगी इसे अच्छा उसने परिचालक को टिकट बनाने के लिए रुपये निकालकर दे दिए।

महेंद्रगढ़। परिचालक द्वारा काटा गया टिकट। फोटो : हरिभूमि

बुजुर्ग महिला के पास हैप्पी कार्ड होने के बाद भी उसका टिकट बनाने का मामला संज्ञान में आया है। आरोपित परिचालक के खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। -अनित यादव महाप्रबंधक हरियाणा रोडवेज नारनौल

अन्य वरिष्ठ नागरिकों का बसों में अपमान न हो परिचालक को किया जाए सस्पेंड

बुजुर्ग महिला ने कहा कि भरी बस में सरकार की योजना को पलिता लगाने वाले आरोपित बस चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सस्पेंड किया जाए, ताकि भविष्य में कोई अन्य चालक इस प्रकार से वरिष्ठ नागरिकों का अपमान करने से पहले कई बार सोचे। पीड़ित बुजुर्ग महिला ने परिचालक की शिकायत रोडवेज जीएम नारनौल सहित परिवहन विभाग, परिवहन मंत्री व सीएम को भी भेजी है।

बैठक

जन भागीदारी के साथ आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

फिर शुरू होगा हरियाणा उदय कार्यक्रम: बड़े स्तर पर होगा पौधरोपण, सरपंचों को डीसी लिखेंगी डीओ लेटर

- एक पेड़ मां के नाम लगातार फोटो करें अपलोड, एक पेड़ मां के नाम करके सोशल मीडिया पर डालें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह के निर्देश पर हरियाणा उदय कार्यक्रम का आयोजन फिर से किया जाएगा। इस कार्यक्रम की रणनीति बनाने के लिए शुक्रवार को उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। डीसी ने बताया कि हरियाणा उदय आउट रीच कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ जन भागीदारी व उत्साह के साथ यह कार्यक्रम आयोजित करवाएगा। अधिकारी योजनाबद्ध तरीके से इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करें।

उन्होंने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ में 5.30 लाख पौधे इस अभियान के तहत लगाए जाएंगे। इस दौरान जिला के नागरिक, एनजीओ, सामाजिक संगठन व अधिकारी-कर्मचारी पूरे उत्साह के साथ अभियान में भाग लेंगे। सभी नागरिक एक पेड़ मां के नाम लगाकर उसकी फोटो मेरी लाइफ डॉट एनआईसी डॉट इन पोर्टल पर अपलोड करेंगे। वहीं एक पेड़ मां के नाम करके सोशल मीडिया पर डालेंगे। डीसी ने बताया कि 10 जुलाई को सुबह सात बजे जिला महेंद्रगढ़ में इस बड़े अभियान की शुरूआत की जाएगी। सभी विभागों के अधिकारी वन विभाग को पौधों की डिमांड तुरंत प्रभाव से भेजें। जिला महेंद्रगढ़ में वन विभाग की आठ नर्सरिया हैं। इसके अलावा सभी व्यायाम शालाओं, जलघर आंगनबाड़ी, स्कूल/कॉलेज तथा सरकारी जमीन पर सघन रूप से पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। जिला महेंद्रगढ़ के सभी सरपंचों को डीओ लेटर लिखकर पौधारोपण अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। डीसी ने बताया कि हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिनमें सेमिनार, रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर-मेकिंग, स्लोगन लेखन आदि शामिल हैं।

ड्रग फ्री हरियाणा के उद्देश्य को लेकर भी जिला प्रशासन अभियान चलाएगा। यह संदेश घर-घर पहुंचने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठन, एनजीओ, स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों तथा आमजन के सहयोग से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित करवाई जाएंगी। इस बैठक में एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, डीएफओ राजकुमार, डीएमसी महावीर प्रसाद, एसडीएम कनीना सुरेंद्र सिंह, एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी मयंक भारद्वाज व सीटीएम मंजीत सिंह आदि मौजूद थे।

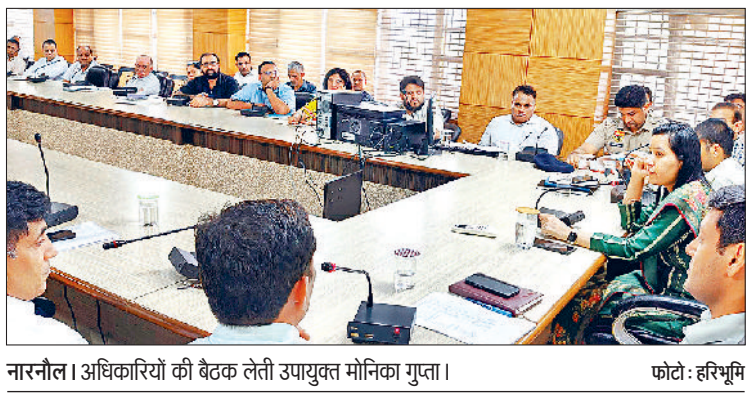

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेती उपायुक्त मोनिका गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

हाथी 3 मील दूर से भी पानी की गंद को सूंघने की क्षमता रखता है।

चमगादड़ एक ऐसा स्तनधारी है जो की उड़ भी सकता है।

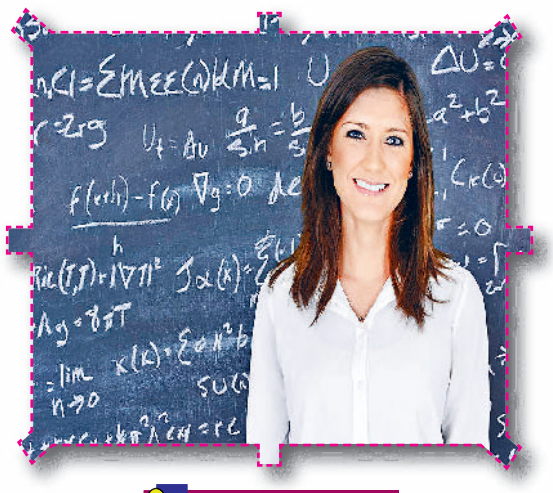

अच्छा वेतन और सम्मान पाना है तो बनें विज्ञान के अध्यापक

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

राज्य सरकार और केंद्र सरकार समय-समय पर साइंस टीचर के भर्ती की घोषणा की जाती है। राज्य और केंद्र स्तर पर संचालित स्कूलों के लिए हर वर्ष साइंस टीचर की भर्ती का आयोजन होता है। आप उस भर्ती के लिए आवेदन करके साइंस टीचर बन सकते हैं। एक सरकारी साइंस टीचर बनने के बाद आप एक बेहतर भविष्य की कल्पना कर सकते हैं। क्योंकि यहां पर अच्छा वेतन और काफी सम्मान मिलता है जबकि प्राइवेट संस्थान ज्वाइन करके भी आप अच्छा वेतन और सम्मान पा सकते हैं। इसके अलावा आप चाहे तो अपना खुद का कोचिंग सेंटर खोल सकते हैं या दूसरे कोचिंग सेंटर में नौकरी की तरह काम भी कर सकते हैं।

विज्ञान के विषय को पढ़ाना होता

विज्ञान पढ़ाने वाला अध्यापक साइंस टीचर होता है। इस अध्यापक का काम विज्ञान विषय को छात्रों को पढ़ाना होता है। पाठ्यक्रम में निर्धारित किया गया विज्ञान का ज्ञान छात्रों को देना होता है। विज्ञान के तहत आने वाले आविष्कार और प्रयोगों के बारे में बताता है प्रयोग सिद्ध करके बताता है और विज्ञान की जर्नी तथा विज्ञान में आगे बढ़ने के रंग रूप समझाता है। साइंस टीचर आपको छोटे स्कूलों से लेकर बड़े-बड़े कॉलेज स्कूल और शिक्षण संस्थान में देखने को मिल जाते हैं। अगर आपका विज्ञान विषय में रुचि है तो आप साइंस टीचर बन सकते हैं। विज्ञान का विषय बहुत ही स्कोप वाला विषय है अगर आप विज्ञान के क्षेत्र में टीचर बनते हैं तो आपको देश और दुनिया भर के अनेक सारे स्कूल कॉलेज और शिक्षण संस्थान में नौकरियां मिल जाती है। आप अपना खुद का अलग से एक विज्ञान स्कूल भी खोल सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी विज्ञान के प्रति रुचि होनी चाहिए और विज्ञान को बारीकी से समझने की भी जरूरत होती है। आप दसवीं कक्षा पास करने के बाद पूरी तरह से विज्ञान में पढ़ाई कर सकते हैं। 12वीं कक्षा में आप विज्ञान विषय का चयन करके आगे की पढ़ाई भी विज्ञान में करें। ग्रेजुएशन करने के बाद किसी भी शिक्षण संस्थान से अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पात्र हो जाते हैं।

ऐसे बनें अध्यापक

साइंस टीचर बनने के लिए साइंस स्ट्रीम में अच्छी तरह से अध्ययन करने की आवश्यक है। साइंस विषय में अच्छी दक्षता प्राप्त करने के साथ-साथ टीचर ट्रेनिंग कोर्स तथा साइंस में डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त करके साइंस टीचर बन सकते हैं। अगर आप शुरुआत से ही साइंस के प्रति सजग हो जाते हैं तो इस विषय में आगे बढ़ना आपके लिए काफी आसान हो जाता है इसीलिए आपको कक्षा 10 के बाद विज्ञान संकाय का चुनाव करना चाहिए 11वीं कक्षा में प्रवेश लेते समय आपको विज्ञान संकाय के विषय का चुनाव करके उसमें अध्ययन करना चाहिए। इसमें भौतिक विज्ञान , रसायन विज्ञान , गणित , जीवविज्ञान आदि विषय शामिल है।

12वीं के बाद अच्छी तैयारी करें

अगर आप और 12वीं क्लास पास करने के बाद साइंस टीचर बनना चाहते हैं। तो इसके लिए आपको बीएससी विज्ञान विषय के साथ करना होगा बीएससी में विज्ञान वर्ग से कोई भी 3 विषय का चयन कर सकते हैं जिसमें वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान एवं रसायन विज्ञान शामिल है। इसमें से आप किसी भी एक विषय का चयन करके बीएससी कंप्लीट कर सकते हैं। अगर आप विज्ञान के इन विषय में अच्छा अध्ययन करेंगे तो बीएससी करने के बाद शिक्षण प्रशिक्षण डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना आपके लिए काफी आसान हो जाएगा क्योंकि वर्तमान समय में शिक्षण प्रशिक्षण की डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए न्यूनतम प्राप्तांक प्रतिशत की अनिवार्यता लागू की गई है।

करना होगा ट्रेनिंग कोर्स

साइंस में बीएससी पूरा करने के बाद साइंस टीचर बनने के लिए टीचर ट्रेनिंग कोर्स करना होगा। यह टीचर ट्रेनिंग कोर्स स्नातक स्तरीय होना चाहिए जैसे बीएड यानी कि बैचलर ऑफ एजुकेशन कोर्स को करने के लिए 2 वर्ष की समय अवधि निर्धारित की गई है यह कोर्स किसी भी राज्य सरकार या भारत सरकार से संबंधित विश्वविद्यालय एवं एनसीटीई से मान्यता प्राप्त होना चाहिए। बीएससी और बीएड या उसके समकक्ष कोई अन्य अध्यापक प्रशिक्षण डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आप साइंस टीचर बनने के योग्य हो जाते हैं।

उत्तीर्ण करनी होगी अध्यापक पात्रता परीक्षा

अब भी आपको सरकारी विद्यालय में साइंस टीचर बनाने के लिए आवेदन करने हेतु एक और चरण से गुजरना होगा और वह चरण हैं अध्यापक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना। देश के विभिन्न राज्यों द्वारा अध्यापक पात्रता परीक्षा का समय-समय पर आयोजन करवाया जाता है संबंधित भर्तियों के लिए आयोजित पात्रता परीक्षा के तहत आवेदन करके आपको उस परीक्षा को पास करना होगा।

कितने तरह के होते साइंस टीचर

प्राथमिक कक्षाओं के लिए विज्ञान अध्यापक: कक्षा 6 से लेकर कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों का अध्यापन कराने वाले शिक्षकों को तृतीय श्रेणी अध्यापक यानी थर्ड ग्रेड टीचर कहा जाता है। थर्ड ग्रेड साइंस टीचर बनने के लिए विज्ञान विषय के साथ बीएसएससी एवं बीएड तथा अध्यापक पात्रता परीक्षा पास करनी होगी।

माध्यमिक कक्षाओं के लिए विज्ञान टीचर : कक्षा 9 से लेकर कक्षा 10 को माध्यमिक विद्यालय कहते हैं इस श्रेणी को द्वितीय श्रेणी ग्रेड टीचर या फिर वरिष्ठ अध्यापक भी कहते हैं। इस श्रेणी के अंतर्गत विज्ञान विषय के अध्यापक बनने के लिए आपको विज्ञान विषय में ग्रेजुएशन एवं बीएड करना होगा। इसके अलावा अध्यापक पात्रता परीक्षा पास करने के बाद आप एक ट्रेंड ग्रेजुएट टीचरी बन जाएंगे जोकि सेकंड ग्रेड अध्यापक ही होता है।

उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए विज्ञान टीचर : जिस स्कूल में कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों को पढ़ाया जाता है इसे प्रथम श्रेणी का अध्यापक या फर्स्ट ग्रेड टीचर कहा जाता है।

अभियान विशेषज्ञ की पूरी दुनिया में भारी डिमांड

ऑफलाइन मोड में स्किल्स और प्रशिक्षण जरूरी

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट बनकर करियर को दे सकते हैं नई दिशा

जॉब ट्रेंड्स

डॉ. मोहित बंसल, करियर कोच

आज की तेजी से बदल रही दुनिया में युवाओं के लिए करियर के कई विकल्प मौजूद हैं। युवा सिर्फ सरकारी नौकरी की तरह ही न भागें, बल्की अपनी क्षमता और कौशल को निखारकर दूसरे क्षेत्रों में भी किस्मत आजमा सकते हैं। यहां उन्हें अच्छा पैसा, इज्जत और नाम कमाने का बेहतरीन मौका मिल सकता है। बस जरूरी है थोड़ी मेहनत और लगन की। इसके बाद आपको पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं है। इसलिए विद्यार्थियों को नौकरी के लिए घबराने की जरूरत नहीं है। युवाओं के सामने उच्च वेतन एवं कम प्रतिस्पर्धी करियर विकल्प है एक्सपीडिशन एक्सपर्ट यानी अभियान विशेषज्ञ। इस इस क्षेत्र में भी आप अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। आज के समय में एक्सपीडिशन एक्सपर्ट न केवल भारत अपितु समूचे संसार में अच्छे अवसरों के साथ अच्छे वेतन पर अच्छा जीवन बीता रहे हैं। इसलिए आप भी एक्सपीडिशन एक्सपर्ट बनकर अपने करियर को नई उड़ान दे सकते हैं।

अच्छे अवसरों के साथ मिलता अच्छा वेतन

- सर्टिफिकेशन कोर्स 5,000 से 30,000 रुपये में कर सकते
- कोर्स करने के लिए 5 से 15 दिनों तक का समय देना जरूरी
- कुछ कोर्सेज के लिए ऑनलाइन भी कर सकते हैं अप्लाई

क्या है एक्सपीडिशन एक्सपर्ट

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट (अभियान विशेषज्ञ) का अर्थ एक ऐसे व्यक्ति से है जो एडवेंचर यात्राओं और अभियानों की योजना बनाने, उन्हें संचालित करने और सफलतापूर्वक पूरा करने की विशेषज्ञता रखता है। ऐसे व्यक्ति के पास साहसिक गतिविधियों जैसे पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, जंगल सफारी, और अन्य चुनौतीपूर्ण अभियानों का पूरा ज्ञान और अनुभव होता है। वह सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए टीम का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि यात्रा का हर पहलू सुचारू और सुरक्षित पूरा हो। अभियान विशेषज्ञ के रूप में करियर रोमांचक और विविधतापूर्ण भरा है। इस क्षेत्र में व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के असीम अवसर मौजूद हैं। साहसिक गतिविधियों का जुनून और नए कौशल सीखने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए यह क्षेत्र सफलता की कुंजी है।

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के लिए क्या जरूरी

शिक्षा : एक्सपीडिशन एक्सपर्ट बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता महत्वपूर्ण है। इसके लिए भूगोल, पर्यावरण विज्ञान, वन्यजीव विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों में ग्रेजुएशन की डिग्री जरूरी है। इसके साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े भूगोल, जलवायु और चुनौतियों को भी समझना जरूरी है।

प्रशिक्षण : शिक्षा के साथ-साथ स्कूबा डाइविंग, बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, वन्यजीव सफारी, रिवर राफ्टिंग, पर्वतारोहण, ट्रेकिंग का प्रशिक्षण लें और अन्य साहसिक खेलों पर रिसर्च जरूर करें। इसके बाद ही इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आगे बढ़ें।

यहां से लें प्रशिक्षण : आप नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग (एनआईएम), हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट (एचएमआई), कार्डिओ पल्मोनरी रिसकिटेशन (सीपीआर) इंटरनेशनल राफ्टिंग फेडरेशन (आईआरएफ), इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन (आईएमएफ), प्रोफेशनल एसोसिएशन ऑफ़ डाइविंग इंस्ट्रक्टर्स (पीएडीआई) जैसे संस्थानों से कोर्स कर सकते हैं। यहां से सर्टिफिकेट एवं प्रोफ़ेसनली काम के लिए लाइसेंस भी ले सकते हैं। क्योंकि कुछ गतिविधियों के लिए विशेष लाइसेंस की जरूरत होती है।

फीस एवं समय

फीस एवं समय : सर्टिफिकेशन कोर्स करने के लिए आपको 5,000 से 30,000 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। इन कोर्सेज के लिए 5 से 15 दिनों तक का समय लगता है। इनमें से कुछ कोर्सेज के पाठ्यक्रमों के लिए आप ऑनलाइन मोड में भी पढ़ाई कर सकते हैं। हालांकि जरुरी स्किल्स और प्रशिक्षण आपको ऑफलाइन मोड में ही सीखने होंगे।

अनुभव : जितना संभव हो उतना व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें और स्वयं को कार्डिओ, शक्ति प्रशिक्षण, एवं धीरज अभ्यास के जरिये फिट रखें। विभिन्न एक्सपीडिशन अभियानों में शामिल हों और नए नए कौशल सीखें।

स्वयंसेवा : विभिन्न पर्यावरणीय और साहसिक गतिविधियों में एक वालंटियर की तरह स्वयंसेवा करें। इससे आपको अनुभव के साथ-साथ नेटवर्क बनाने में मदद मिलेगी और आसानी से अपने करियर को चमका सकेंगे।

रोजगार के अवसर

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के करियर की संभावनाएं भारत में और वैश्विक स्तर पर बहुत व्यापक हैं। इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर मौजूद हैं। एक एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के लिए पर्यटन और साहसिक कंपनियां, शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान, सरकारी और गैर-सरकारी संगठन, फिल्म और मीडिया औद्योगिक क्षेत्रों में करियर के लिए विशेष अवसर है। आप स्वतंत्र एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के रूप में भी काम कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल ऑप्शंस

एक्सपीडिशन एक्सपर्ट के लिए विभिन्न कंपनियों में कई प्रकार की जॉब प्रोफाइल होती हैं। ये प्रोफाइल एडवेंचर यात्रा, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में हो सकती हैं। एडवेंचर टूर गाइड, एक्सपीडिशन प्लानर एंड कोऑर्डिनेटर, एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर, सेफ्टी एंड रेस्क्यू स्पेशलिस्ट, एनवायर्नमेंटल कन्सेर्वटिव अफसर, फ्रीलांसर एक्सपीडिशन एक्सपर्ट जैसे बहुत सारे जॉब प्रोफाइल पर आप काम कर सकते हैं। इनमें आपको अच्छा वेतन भी मिलता है।

टॉप रेक्रुइट्रस संस्थान

एक्सपीडिशन उद्योग में टॉप रेक्रुइट्रस की श्रेणी में विभिन्न प्रकार की कंपनिया और संगठन आते हैं, जो एडवेंचर पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण,और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इस सूची में भारत और वैश्विक स्तर पर इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन (आईएमएफ), इंडिया हाइक, वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई), एडवेंचर नेशन, ग्लोबल हिमालयन एक्सपीडिशन (जीएचई), ट्रेक द हिमालयस, नेशनल ज्योग्राफिक, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ), आउटवर्ड बाउंड, रेड बुल, पेटागोनिया, एडवेंचर इंटरनेशनल, गूगल अर्थ जैसी कंपनिया आती हैं। ये आपको अच्छे जॉब ऑफर कर सकती हैं।

अपडेट रहें

खुद को इस फील्ड में अपडेटेड रखने के लिए नए उपकरण, तकनीक, और पर्यावरणीय परिवर्तनों के बारे में अद्यतित रहें। इसके साथ साथ नियमित रूप से नए कौशल और ज्ञान प्राप्त करने के लिए कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लें। किताबें पढ़ें और अपने करियर को नई दिशा दें।

संचार कौशल

एक अच्छे एक्सपीडिशन एक्सपर्ट को अपने विचार और अनुभव को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने में सक्षम होना चाहिए। ताकि सामने वाले की बात आसानी से समझ सकें और अपनी उसे समझा सकें।

मानचित्रण और नेविगेशन : जीपीएस, नक्शे और कम्पास का उपयोग करने में माहिर बनें। इसके साथ सर्वाइवल टेक्निक्स एवं जंगल बचाव का प्रैक्टिकल एक्सपोजर भी लें।

प्राथमिक चिकित्सा : आपात स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए प्रशिक्षित हों। ताकि समय पड़ने पर परेशानी महसूस न हो और जिस अभियान पर निकल रहें हैं, आपके साथ जो भी जा रहें हैं उन्हें आपात स्थिति में बचाने में सक्षम हो सकें।

नेटवर्किंग : शुरुआत में काम पाने के लिए कुछ विशेष संगठनों से नेटवर्किंग की भी जरुरत पड़ेगी। इसके लिए सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करके भारतीय एक्सपेडिशन क्लबों और संघों से जुड़ें।

उद्देश्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ने से जरूर मिलती है सफलता

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

छात्र जीवन की यात्रा में हमेशा सफलता होना आसान नहीं होता है। कभी-कभी छात्रों को उनके द्वारा चुने गए लक्ष्यों तक पहुंचने में समस्याएं आ सकती हैं। इस दौरान छात्रों को अपने मन के कष्टों का सामना करना पड़ सकता है और यह उनके उद्देश्यों को हासिल करने में रुकावट बन सकता है। लेकिन इस स्थिति से घबराने की जरूरत नहीं है। यदि आपको लगता है कि सब कुछ चल रहा है लेकिन फिर भी आपको सफलता नहीं मिल रही है, तो आपको निराश नहीं होना चाहिए। आपको अपने उद्देश्यों की ओर आगे बढ़ने की दृढ़ता और हौसला रखने की जरूरत है। पहले से ही जिंदगी इतनी आसान नहीं है। हर कोई अपनी मनचाही सफलता तक पहुंचने के लिए संघर्ष करता है।

असफल होने पर पहले से ज्यादा मेहनत करें

यदि आपको लगता है कि आपकी मेहनत नहीं चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपकी निष्क्रियता या कमजोरी है। बल्कि इसका मतलब है कि आपको और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। अपने अंदर कोशिश करें, और निरंतर प्रयास करें। अपने दोषों को स्वीकार करें और अपनी गलतियों से सीखें। हमेशा याद रखें कि हम अक्सर अपने स्वयं के दुश्मन हो सकते हैं। इसलिए, आपको अपने खुद को परिवर्तित करने के लिए तैयार रहना होगा। जीवन में सफलता के लिए खुद को जानना और अपने प्रति विश्वास रखना बहुत महत्वपूर्ण है। जब तक आप खुद को जानते नहीं होंगे, तब तक आप अपने सपनों को हासिल करने में सक्षम नहीं हो सकते। अपने लक्ष्यों को ताक पर रखें और निरंतर उनके ओर बढ़ें। आपको अपने आप में इस संघर्ष के लिए जोश और संतुष्टि रखनी चाहिए। सफलता का सफर कभी भी आसान नहीं हो सकता है। उसमें अनेक प्रकार के परेशानियां आ सकती हैं। लेकिन आपको इस बात का हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि आपकी कोशिशों का परिणाम हमेशा सकारात्मक होगा। इसलिए, धैर्य और सहनशीलता का समय है। आप अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए हमेशा निराश न हों, बल्कि उससे ज्यादा मेहनत करें। अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने इच्छाशक्ति का उपयोग करें और जगहों और रिक्तियों को भरने के लिए इसका लाभ उठाएं। "जीवन एक संघर्ष भरा सफर है, जो कि आपको अपने मार्ग पर चलने से हटाना नहीं चाहता है। इसलिए, आपको अपने लक्ष्यों को त्यागने की बजाय उनके ओर बढ़ना और खुद को परिवर्तित करने के लिए तैयार रहना होगा। सफलता एक प्रक्रिया है और आपको धैर्य से सफल होने का इंतजार करना होगा। जब तक आप इस संघर्ष में जीतने के लिए सक्षम होंगे, तब तक आपको अपने उद्देश्यों को हासिल करने में कोई भी अडचन नहीं । आधुनिक समय में डिजिटल विश्व ने सभी क्षेत्रों में बदलाव लाया है। इंटरनेट की आधिकारिक शुरुआत से अब तक, हमारे सामने एक नया सवाल उठा है – क्या हम अपनी साइबर सुरक्षा की पर्याप्त सूचना हैं? भारत एक वास्तविक आकर्षण है जो कंप्यूटिंग का उच्च अनुप्रयोग कर रहा है। आधुनिक भारत में कम्प्यूटर और इंटरनेट का तेजी से विकास हो रहा है जो साइबर सुरक्षा को रोचक बनाता है। छात्र जीवन में शॉर्टकट हर समस्या का समाधान नहीं है।

शॉर्टकट लेना सही नहीं

मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। आसान पैसा और कम मेहनत से सफलता पाने की इच्छा अक्सर हमारे भीतर आलस्य और असंतोष को जन्म देती है। जब हम बिना मेहनत के किसी भी कार्य को पूरा करने का प्रयास करते हैं, तो हम उस कार्य की गहराई को समझने में असमर्थ रहते हैं। इससे हमारा आत्म-सम्मान और आत्म-विश्वास दोनों प्रभावित होते हैं। छात्र जीवन में शॉर्टकट लेने का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह होता है कि हम सच्चे ज्ञान और कौशल से वंचित रह जाते हैं, जो हमारे भविष्य की नींव होते हैं। इसके विपरीत, अगर हम हर कार्य में पूरी मेहनत और समर्पण के साथ लगते हैं, तो न केवल हमें गहन ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि हमारे आत्म-विश्वास में भी वृद्धि होती है। हमें यह समझना चाहिए कि जीवन में स्थायी सफलता का रास्ता कठिन परिश्रम और सतत प्रयासों से ही होकर गुजरता है। अक्सर, विद्यार्थी आसान रास्तों की तलाश में रहते हैं ताकि वे जल्द से जल्द सफलता प्राप्त कर सकें। लेकिन वे भूल जाते हैं कि शॉर्टकट से प्राप्त की गई सफलता बहुत ही अल्पकालिक होती है। जल्दी पैसे कमाने की होड़ में, वे अपनी वास्तविक क्षमताओं को पहचानने और उन्हें विकसित करने का अवसर गंवा देते हैं। यह स्थिति आगे चलकर गहरी निराशा और असफलता की ओर ले जाती है। शॉर्टकट लेने का परिणाम केवल व्यक्तिगत विकास को बाधित करना ही नहीं है, बल्कि यह हमारी मानसिकता को भी कमजोर बनाता है। जब हम शॉर्टकट के आदी हो जाते हैं, तो हम हर कार्य में वही तरीका अपनाने की कोशिश करते हैं, जिससे हमारी समस्या सुलझाने की क्षमता और दृढ़ता में कमी आ जाती है। इसलिए, हमें यह समझना चाहिए कि जीवन में सच्ची सफलता का मार्ग केवल और केवल कठिन परिश्रम, धैर्य और निरंतर प्रयासों से होकर गुजरता है। विद्यार्थी जीवन में शॉर्टकट से बचना चाहिए और हर कार्य को पूरी ईमानदारी और मेहनत से करने का संकल्प लेना चाहिए।

सामान्य ज्ञान

1. जंतुओं में होने वाली 'फूट एंड माउथ' रोग किसके कारण उत्पन्न होता है ?
(ए) जीवाणु
(बी) कवक
(सी) प्रोटोजोआ
(डी) विषाणु

2. आलू में मोजेक रोग का कारक तत्व है -
(ए) विषाणु
(बी) जीवाणु
(सी) फफूंदी
(डी) शैवाल

3. वनस्पति विज्ञान की वह शाखा जिसमे जिसमे शैवालों का अध्ययन किया जाता है, कहलाता है -
(ए) वर्गिकी
(बी) माईकोलॉजी
(सी) सूक्ष्मजैविकी
(डी) फाईकोलॉजी

4. शैवालों की कोशिका भित्ति किसकी बनी होती है ?
(ए) काईटिन
(बी) सुवेरिन
(सी) सेल्यूलोज
(डी) क्यूटिन

5. हाईड्रा की स्त्रावी कोशिकाओं में कौन-सा सहजीवी शैवाल मिलता है ?
(ए) युक्लोरैला
(बी) नोस्टोक
(सी) युलोथ्रिक्स
(डी) स्पाईरोगाईरा

6. सरगासो समुद्र का नाम पड़ा -
(ए) कवकों के कारण
(बी) आवृतबिजीयों के कारण
(सी) शैवालों के कारण
(डी) ब्रायोफाईटा के कारण

7. गलगंड रोग से बचा जा सकता है और कुछ समुद्री खरपतवार खाने से इसका इलाज होता है, क्यूंकि इसमें प्रचूर माता में होता है -
(ए) सल्फर
(बी) आयोडीन
(सी) कैलिशियम
(डी) फास्फोरस

8. किस शैवाल से आयोडीन प्राप्त होती है ?
(ए) एक्टोकार्पस
(बी) लैमिनेरिया
(सी) ओडोगोनियम
(डी) युलोथ्रिक्स

उत्तर 1.(डी) 2.(ए) 3.(डी) 4.(सी) 5.(ए) 6.(सी) 7.(बी) 8.(बी)

खबर संक्षेप

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते एपीएस स्कूल के बच्चे। फोटो: हरिभूमि

एपीएस के विद्यार्थियों ने बारिश में रेनी-डे का लिया आनंद

नारनौल। मानसून की पहली बारिश ने जहां मौसम सुहावना किया, वहीं नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के विद्यार्थियों ने बारिश का आनंद लेते हुए रेनी-डे मनाया। किड्स ब्लॉक के बच्चों ने प्राइमरी हेड सोनल चौबे की देखरेख में बारिश में भीगते हुए मानसून का मजा लिया। बच्चों ने छाता लेकर अपनी क्लास टीचर्स के सानिध्य में बारिश में रेन डांस किया तथा कागज की

नारनौल। बैठक करते सर्जन यादव।

नारनौल को नहीं मिला सशक्त विधायकः सजृन

नारनौल। बारिश के बाद शहर में हुए जल भराव को देखते हुए शुक्रवार को कांग्रेसी नेता सृजन यादव ने शहर के व्यापारियों से मुलाकात की व उनका हाल-चाल जाना। इस अवसर पर सृजन यादव ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 साल से नारनौल में सशक्त विधायक नहीं मिल रहा। यहीं कारण है कि 10 साल में नारनौल क्षेत्र का कोई विकास नहीं हुआ है। जिसका खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

नारनौल। पौधरोपण करते भाजपा नेता वासुदेव यादव व अन्य। फोटो: हरिभूमि

हर रोज एक नए गांव में पौधरोपण : वासुदेव यादव

नारनौल। भाजपा की मुहिम एक पेड़ मां के नाम के तहत मानसून के इस मौसम में एक हजार पौधे लगाने का लक्ष्य लिया गया है। वह हर रोज एक नए गांव में पौधारोपण करेंगे। इसकी शुरुआत उन्होंने गांव नीरपुर से की है। यह बात भाजपा नेता एवं पूर्व खनन अधिकारी वासुदेव यादव ने शुक्रवार कही। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम मुहिम को सफल बनाने के लिए वह और उनके कार्यकर्ता जुटे है। हर रोज एक नए गांव में पौधारोपण कर ग्रामीणों को भी पेड़ का महत्व बताकर उन्हें प्रेरित किया जाएगा।

गोरल कुमारी बोर्ड के रिवाइज परिणाम में 489 अंक लेकर बनी जिला टॉपर

नांगल चौधरी। बालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा गोरल कुमारी पुत्री अजीत सिंह का शिक्षा बोर्ड ने रिवाइज परीक्षा परिणाम घोषित किया है। जिसमें छात्रा के 19 नंबरों की बढ़ोतरी होने से 489 अंक हो गए हैं। इस परिणाम से जिला टॉपर बनी छात्रा को स्कूल प्रबंधन कमेटी ने सम्मानित किया है।

मातृशक्ति उद्यमिता योजनाः ई-रिक्शा के लिए आसान किस्तों पर उपलबध करवाया जाएगा ऋण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- योजना का लाभ लेने के लिए महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए: डीसी मोनिका गुप्ता

हरियाणा सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत महिलाओं को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर ई-रिक्शा लेने के लिए आसान किस्तों पर ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए डीसी मोनिका गुप्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से मातृशक्ति उद्यमिता योजना चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत बैंकों के माध्यम से तीन लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। इस योजना तहत पहले महिलाओं को सरकार की ओर से फ्री में प्रशिक्षण देकर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया जाएगा। इसके बाद उन्हें बैंकों के माध्यम से ब्याज पर छूट देते हुए ई-रिक्शा लेने के लिए आसान किस्तों पर ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत जिला महेंद्रगढ़ के लिए वर्ष 2024-25 में 30 केसों का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस बारे में अन्य किसी जानकारी के लिए बस स्टैंड के नजदीक नस्ला होटल के पीछे स्थित हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं। इसके अलावा कार्यालय के लैंडलाइन नंबर 01282-250346 पर फोन कर जानकारी ले सकते हैं।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना के लिए शर्तें

डीसी मोनिका गुप्ता ने बताया कि इस योजना के लिए परिवार की वार्षिक आय पांच लाख रुपये से कम व महिला हरियाणा की स्थायी निवासी होनी चाहिए। ऋण के लिए आवेदन के समय महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत समय पर किश्त का भुगतान करने पर तीन वर्षों तक सात प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा सरकार की ओर से महिला विकास निगम के माध्यम से दी जाएगी। इन गतिविधियों में यातायात वाहन के तहत ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा आदि हैं।

योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक कम से कम आठवीं पास होना चाहिए। इसके अलावा परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार की फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं। आवेदक आवेदन करने के लिए कार्यालय में सभी दस्तावेज की दो-दो फोटो कॉपी साथ लाएं।

विश्व पशु जन्य रोग दिवस पर कार्यक्रम मनाया

लुवास वैज्ञानिकों की पशु चिकित्सकों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

- ब्रूसेला बीमारी के बचाव के बारे में विस्तार से चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डा. विनोद कुमार वर्मा के निर्देशानुसार पशु रोग जांच प्रयोगशाला एवं हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र की ओर से विश्व पशु जन्य रोग दिवस के उपलक्ष्य पर जिले के पशुचिकित्सकों के साथ लुवास के वैज्ञानिकों ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें महामारी को रोकने के साथ-साथ पशु जन्य रोग जैसे टीबी, रेबीज आदि पर चर्चा की। कार्यक्रम का आयोजन पशु चिकित्सा एवं डेयरी विभाग के सहयोग से किया गया।

यह कार्यक्रम डा. देवेंद्र सिंह व डा. ज्योति शुन्थवाल की देखरेख में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि डा. राजेश खुराना निदेशक, मानव संसाधन प्रबंधन लुवास थे। विशिष्ट अतिथि डा. राजेश छाबड़ा वैज्ञानिक लुवास, नसीब सिंह उप निदेशक पशुपालन एवं डेयरी विभाग थे। इस अवसर पर डा. राजेश छाबड़ा ने चर्चा में बताया कि पशु जन्य रोगों में ब्रूसेल्ला, रेबीज, टीबी आदि मुख्य हैं।

उन्होंने पशुचिकित्सकों से ब्रूसेला बीमारी के बचाव के बारे में विस्तार से चर्चा की व नये पशु खरीदते समय में ब्रूसेल्ला, टीबी, जेडी के टेस्ट अवश्य करवाएं। वैज्ञानिकों ने बताया कि कई बार ग्रामीण परिवेश में बिना उबाले दूध का सेवन किया जाता हैं, बिना उबाले दूध से पशुओं से विभिन्न रोग जैसे की ब्रूसेल्ला, टीबी होने का खतरा रहता हैं। लुवास के वैज्ञानिक डा. राजेश ने पशु चिकित्सकों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान में जहां पशु जन्य रोगों का प्रकोप मनुष्यों में बढ़ता जा रहा हैं। पशु चिकित्सा की महत्वता भी बढ़ती जा रही हैं। इन रोगों से बचाव हेतु जागरूकता एवं तकनीकी जानकारी दोनों ही बहुत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पशु चिकित्सकए पशु वैज्ञानिक जगत को और तैयार होना पड़ेगा, ताकि इन तरह के रोगों को पशुओ में ही रोक सकें।

नारनौल। कार्यशाला में भाग लेते चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

जेडी रोग के टेस्ट अवश्य करवाए

वैज्ञानिक डा. देवेंद्र सिंह ने बताया कि नए पशु खरीदने से पहले टीबी, ब्रूसेला व जेडी रोग के टेस्ट अवश्य करवाएं। इन टेस्ट के लिए पशु रोग जांच प्रयोगशाला नारनौल में संपर्क कर सकते हैं। डा. ज्योति शुन्थवाल ने बताया कि विश्व पशुजन्य रोग दिवस मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण दिवस है, जो हमें यह याद दिलाता है कि पर्यावरण, मनुष्य व पशुओं का स्वास्थ्य के बीच एक मजबूत संबंध है। इस दिवस के माध्यम से हमें पशुओं से होने वाले संक्रमणों की पहचान करने, उनकी रोकथाम के बारे में जागरूकता प्रदान करने और स्वास्थ्य विभागों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और समुदायों को संबंधित जानकारी तथा साधनों से आपूर्त करने का एक महान अवसर प्रदान किया जाता है। ऐसे पशुजन्य रोग को इंसानों में फैलने से रोकने के पशु चिकित्सा जगत का सबसे पहला और सबसे अधिक योगदान रहता है। पशु चिकित्सक पहली पंक्ति में रहकर इंसानों को होने वाले इन रोगों से बचाते है। डा. अमित सांगवान ने पशु चिकित्सकों को पशुओं की हड्डियों की विभिन्न विकृतियों के बारे में तकनीकी जानकारी साझा की। संगोष्ठी में उपनिदेशक डा. नसीब सिंह ने भी पशुजन्य रोग से जुड़ी विभिन्न विषयों के बारे में चर्चा की, ताकि भविष्य में किसी नई महामारी के आगमन से पहले हम तैयार रहे और ऐसी किसी भी संभावनाओं को रोक सकें।

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी डिग्री कॉलेज का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थियों ने पूरे विश्वविद्यालय में टॉप-10 में से 9 स्थानों पर कब्जा किया
- छात्रा प्रिया ने 93.2 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीएससी ऑनर्स जूलॉजी के चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। कॉलेज के सभी विद्यार्थियों ने बहुत ही अच्छे अंक लेकर परीक्षा को उत्तीर्ण किया। साथ ही कॉलेज का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वहीं यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थियों ने पूरे विश्वविद्यालय में टॉप-10 में से 9 स्थानों पर भी कब्जा किया। डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने बताया कि कॉलेज की छात्रा प्रिया पुत्री मुकेश ने 93.2 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम, प्रिया पुत्री सत्यपाल ने 92.0 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा, अंकिता पुत्री वीर सिंह ने 91.2 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा, तमन्ना पुत्री विजेंद्र ने 90.8 अंक लेकर चौथा, तनु पुत्री नाहर सिंह ने 89 प्रतिशत अंक लेकर पांचवा, दीपिका पुत्री संजीव ने 88.4 प्रतिशत अंक लेकर छठा, अंजलि पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.4 प्रतिशत अंक लेकर सातवां, प्रियंका पुत्री राजकुमार ने 87.8 प्रतिशत अंक लेकर आठवां, प्रीति पुत्री बबलू यादव ने 85.8 प्रतिशत अंक लेकर दसवां स्थान पर कब्जा किया। इस प्रकार इस कोर्स के टॉप-10 में से नौ विद्यार्थी अकेले यदुवंशी कॉलेज के रहे।

जूलॉजी ऑनर्स के उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने 75.7 प्रतिशत अंकों से ऊपर रहकर अपनी परीक्षा को उत्तीर्ण कर कामयाबी हासिल की। कॉलेज चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए, उनकी मेहनत की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के परीक्षा परिणाम प्राप्त करते रहने के लिए प्रेरित किया। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव व चेयरपर्सन संगीता यादव, डायरेक्टर विजय सिंह यादव, निदेशक राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरुभान व जूलॉजी विभाग के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज के समस्त स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

सीएल स्कूल की जागृति प्रतियोगिता में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सीएल पब्लिक स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिसमें जागृति पुत्री मुकेश कुमार, आदित्य पुत्र अनिल कुमार व अदिति आर्यन पुत्री जितेंद्र कुमार शामिल है। जिसमें जागृति ने बाल भवन में आयोजित प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर स्थान प्राप्त किया। जिसे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने चंडीगढ़ में सम्मानित किया था। यह उपलब्धि स्कूल व क्षेत्र के लिए गौरवांवित करने वाली रही। इसके साथ आदित्य व अदिति को राज्य स्तरीय अंडर-19 बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रतिभागी होने व ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य रविंद्र सिंह से सभी बच्चों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

नारनौल। सीएल स्कूल में विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी में आईं केन डू टेस्ट का आयोजन कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- नौवीं से 12वीं कक्षावार सुपरब-100 विद्यार्थियों का होगा चयन

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में आई केन डू परीक्षा का आयोजन 7 जुलाई रविवार को किया जाएगा, जिसमें पूरे प्रदेश से किसी भी स्कूल के कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बताया कि आज अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक हैं। संस्था भी उनके सपनों को साकार करने के लिए अनुभवी शिक्षकों, अत्याधुनिक शिक्षण प्रणाली एवं संस्कारित शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए सुपरब-100 के बैच शुरू कर रही है। सुपरब-100 योजना में कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थी या जो 12वीं पास कर चुके हैं, वे इस स्कीम का लाभ उठा सकते हैं। आई केन डू टेस्ट यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नारनौल, हांसी तथा गुरुग्राम सेक्टर 92 में प्रातः 10 से 11:30 बजे तक आयोजित होगा। परीक्षा में 90 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे तथा विद्यार्थी को कम से कम 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य हैं। इस योजना के तहत कक्षा नौवीं, 10वीं, 11वीं तथा 12वीं मेडिकल व नॉन मेडिकल, 11वीं तथा 12वीं सीए फाउंडेशन तथा 11वीं तथा 12वीं क्लेट सभी कक्षाओं से दस-दस विद्यार्थी लिए जाएंगे। वहीं 12वीं पास विद्यार्थी जिसने बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे सीधे ज्वाइन कर सकते हैं। डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने कहा कि इस स्कीम में चयनित सभी विद्यार्थी हॉस्टल में रहकर शिक्षा ग्रहण करेंगे जिसमें छात्रावास एवं ट्यूशन फीस पूर्णतया माफ रहेगी। इस स्कीम का उद्देश्य नीट, आईआईटी/जेईई, एनडीए, सिविल सर्विस, सीए, क्लेट के लिए बच्चों को तैयार करना लक्ष्य है। गुरप डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि यह एक अनुपम पहल है तथा विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव ने स्कीम को बच्चों के लिए वरदान बताया।

मनीषा अंशु प्रियांशी

- बीएससी ऑनर्स फिजिक्स के चौथे सेमेस्टर का परिणाम घोषित

सूरज डिग्री कॉलेज का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर द्वारा बीएससी ऑनर्स फिजिक्स के चौथे सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा परिणाम में सूरज कॉलेज का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 91.11 प्रतिशत अंक के साथ यूनिवर्सिटी की टॉप-10 मेरिट लिस्ट में दूसरा स्थान हासिल किया एवं कॉलेज में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी कॉलेज की छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 75.11 प्रतिशत अंक के साथ कॉलेज में दूसरा स्थान हासिल किया। एमए इंग्लिश की छात्रा प्रियांशी यादव पुत्री अशोक कुमार ने 7.78 सीजीपीए के साथ यूनिवर्सिटी की टॉप-10 मेरिट लिस्ट में तीसरा स्थान हासिल किया। संस्था निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थियों का परिणाम उत्कृष्ट रहा। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आरपीएस कॉलेज के विद्यार्थी विवि की टॉप-टेन सूची में रहे प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीएससी ऑनर्स फिजिक्स, बीएससी ऑनर्स जूलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर तथा बीएससी ऑनर्स जूलॉजी द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया। आरपीएस कॉलेज बलाना ने शानदार प्रदर्शन किया तथा विश्वविद्यालय में टॉप-टेन के सूची में एक तरफा दबदबा कायम किया। डीन डॉ. यशपाल शर्मा ने बताया कि बीएससी ऑनर्स फिजिक्स चतुर्थ सेमेस्टर में निशा पुत्री सोमबीर सिंह 91.11 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, राहुल यादव 90.22 अंक लेकर तृतीय, लवली 90.22 अंक लेकर चतुर्थ, दिव्या 90 अंक लेकर पांचवें, नेहा 88.89 अंक लेकर सातवें, निकिता 88.44 अंक लेकर आठवें, अर्पिता 86.89 अंक लेकर नौवें, अनमोल 86.44 अंक लेकर दसवें स्थान पर रही। इसी तरह बीएससी ऑनर्स जुलॉजी द्वितीय सेमेस्टर में अंशु 92.18 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, निशु 90.73 अंक लेकर द्वितीय, दिप्शी 89.82 अंक लेकर तृतीय, निशा 89.45 प्रतिशत अंक लेकर चतुर्थ, मोहित कुमार 89.27 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। इसी तरह बीएससी ऑनर्स जुलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर में संजु 86.2 प्रतिशत अंक लेकर नौवें स्थान पर रही। परीक्षा परिणाम पर आरपीएस संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजि. मनीष राव, कॉलेज डायरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेन्द्र यादव, प्रधानाचार्य डॉ. देवेन्द्र कादयान ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

महेंद्रगढ़। कॉलेज में खुशी जाहिर करती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस विद्यालय के प्ले विभाग में बच्चों के लिए पूल पार्टी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय के प्रांगण में की डांस प्ले विभाग के बच्चों के लिए पूल पार्टी रखी गई। इस दौरान बच्चों के बीच वाटर गेम्स भी करवाए गए, जिनमें पानी में गुब्बारे छोड़कर उन्हें पकड़ना, पानी से भरे गुब्बारे फोड़ना भी शामिल रहा। गर्मी से बचने के लिए सभी बच्चों ने इस पूल पार्टी का आनंद उठाया। बच्चों ने फिल्मी धुन पर नृत्य करते हुए पार्टी के दौरान खूब मस्ती की। शिक्षिकाओं ने बच्चों को पानी में रहने वाले जानवरों के बारे में जैसे मछली, बत्तख, कछुआ की जानकारी दी गई। वहीं पानी बचाने की अपील भी की गई। स्कूल परिसर को समुद्र तट जैसा सुंदर सजाया गया। रंग बिरंगे झंडे, छाते, वाटर बैलून, स्वीमिंग पूल आदि ने बच्चों को खूब आकर्षित किया। बच्चों ने गर्मी से राहत पाते हुए स्वीमिंग पूल का भरपूर आनंद लिया। बच्चों ने रंगीन चश्में व छाते के बीच रेन डांस भी किया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने बताया कि गर्मी को देखते हुए पूल पार्टी रखी गई, जिसका बच्चों ने भरपूर आनंद उठाया। विद्यालय इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर उनका मनोरंजन व ज्ञानार्जन करता है।

महेंद्रगढ़। रिवमिंग पूल में नहाते बच्चे।

सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने सात गांवों में किया जनसंवाद

युवाओं के लिए स्थापित किए जाएंगे कौशल विकास केंद्रः सांसद

- आमजन को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना सरकार की पहली प्राथमिकताः सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

आमजन को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह बात भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने शुक्रवार को अटेली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान कही। इस मौके पर अटेली विधायक सीताराम यादव भी मौजूद थे। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने खेड़ी, नावदी, रामपुरा, कांटी, बिहाली, सैदपुर व गांव बाछौद में जनसंवाद कार्यक्रम किया। उन्होंने जन संवाद कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकें। सड़कों की मरम्मत और नई सड़कों के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत किया जाएगा और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सभी के आशीर्वाद की बदौलत ही मुझे एक बार फिर संसद में जाने का मौका मिला है। इसके लिए मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्य में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि गांव में जो भी समस्याएं हैं, उनका प्रस्ताव बनाकर मुझे दें मैं जल्द से जल्द उन समस्याओं का समाधान करवाऊंगा।

मंडी अटेली। जन संवाद कार्यक्रम में संबोधित करते सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ग्रामीणों ने बिजली पानी से संबंधित समस्याएं रखी। सांसद ने अधिकारियों को जल्द से जल्द इन समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस मौके पर पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, पंचायत समिति अध्यक्ष राजेंद्र, ऐसी मोर्चा जिला अध्यक्ष कर्मवीर खींची, कर्मचारी प्रकोष्ठ विद्यानंद लांबा, अजीत सिंह कलवाड़ी, ओबीसी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कुलदीप यादव, मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार लांबा, कृष्ण कुमार शर्मा, महामंत्री मुकेश कुमार, राजपाल के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी, गांव के सरपंच व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

14वीं नेशनल डांस चैंपियनशिप में हैप्पी स्कूल की छात्रा दृष्टि और काव्या ने रचा इतिहास

महेंद्रगढ़। एडीएसएफआई द्वारा तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी चेन्नई में आयोजित नेशनल डांस चैंपियनशिप में हैप्पी स्कूल की छात्रा दृष्टि पुत्री राहुल कुमार सोनी और काव्या पुत्री शत्रुघ्न जायसवाल ने गोल्ड मेडल और सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। छात्राओं की नृत्य प्रशिक्षिका मोनिका भारद्वाज ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 28, 29 और 30 जून को चेन्नई तामिलनाडु में हुआ, जिसमें 25 राज्यों से नृत्य के प्रेमी छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में दृष्टि और काव्या ने हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व किया। पांचवी कक्षा की छात्रा दृष्टि ने गोल्ड मेडल, प्रमाण पत्र, पांच लाख रुपये की स्कॉलरशिप और 11 हजार रुपये नकद प्राप्त किए। इसके अलावा काव्या जायसवाल ने सिल्वर मेडल के साथ दो लाख रुपये की स्कॉलरशिप, प्रमाण पत्र और 11 हजार नकद प्राप्त किए। प्रेसिडेंट अरविंद कुमार और टेक्निकल डायरेक्टर गगुन बेदी की देखरेख में चैंपियनशिप का सफल आयोजन हुआ। इन दोनों छात्राओं का विद्यालय में पहुंचने पर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि मैनेजर चंचल अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉ. जेपुस कुंतल रहे। नृत्य प्रशिक्षिका मोनिका भारद्वाज को मैनेजर चंचल अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह, मिठाई खिलाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया।

महेंद्रगढ़। छात्राओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

नारनौल। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नारनौल। हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफैशनल्ज संबंधित भारतीय मजदूर संघ ने शुक्रवार को एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कहा कि हरियाणा कम्प्यूटर प्रोफैशनल्ज संबंधित भारतीय मजदूर संघ कई वर्ष से अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत है, लेकिन आज तक सरकार ने किसी भी मांग को नहीं माना है। संगठन चाहता है कि डीआईटीएस के अधीन जितने भी कर्मचारी कार्यरत है, उन सभी को पॉलिसी बनाकर रेगुलर किया जाए।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेती उपायुक्त मोनिका गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की बैठक

नारनौल। उपायुक्त मोनिका गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को लघु सचिवालय में अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत पीड़ितों को दी जाने वाली राहत तथा पुनर्वास आदि का निश्चित अवधि में क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

आबकारी विभाग 31 तक निपटाएगा लंबित मामले

नारनौल। हरियाणा सरकार के दिशा निर्देशानुसार आबकारी व कराधान विभाग वर्षों से लंबित मामलों को निपटाएगा। इसके लिए विभाग की ओर से 31 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है, जो करदाता या उनके अधिकृत प्रतिनिधि अपने मामलों को निपटाना चाहते हैं, वे सक्षम अधिकारियों के साथ निर्धारित तिथि से पहले संपर्क करें।

यह जानकारी देते हुए प्रियंका यादव ने बताया कि आबकारी व कराधान विभाग की ओर से हरियाणा वैट अधिनियम-2003 और अन्य अधिनियमों के तहत लंबित मामलों के निपटान के लिए 31 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन एडमिशनः यूजी में दाखिले के लिए प्रथम मेरिट लिस्ट जारी, 9 तक करवानी होगी फीस जमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कॉलेज में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को यूजी की प्रथम मेरिट लिस्ट जारी की गई। पीजी कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि कॉलेज में सभी संकाय में दाखिले के लिए उपलब्ध कुल 1540 सीटों के लिए 3425 छात्र-छात्राओं आवेदन किया था। जिसमें सबसे ज्यादा फार्म बीए के लिए भरे गए है। कॉलेज में बीए की कुल 660 सीटों के लिए 1666 छात्र-छात्राओं ने फार्म भरे है। वहीं महिला कॉलेज में दाखिले के लिए सभी संकाय की कुल 1200 सीटों के लिए 1690 छात्राओं ने फार्म भरे है। इस कॉलेज में भी सबसे ज्यादा फार्म बीए में दाखिले के लिए भरे गए है। महिला कॉलेज में बीए की कुल 800 सीटों पर दाखिले के लिए 1018 छात्राओं ने आवेदन किया है। उन्होंने बताया कि लिस्ट में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को नौ जुलाई तक फीस जमा करवानी होगी, तभी दाखिला कंफर्म होगा।

नारनौल। पीजी कॉलेज में मेरिट लिस्ट देखते विद्यार्थी तथा सतनाली मंडी में मेरिट लिस्ट देखते नोडल ऑफिसर व स्टाफ।

पीजी कॉलेज मेरिट लिस्ट

कैटेगरी	बीए	बीबीए	बीसीए	बीकॉम	बीएससी लाइफ साइंस	बीएससी फिजिकल साइंस
एआईओसी	83.6	91.4	96.6	81.6	87.8	85.6
एचओजीसी	64.0	80.4	89.0	60.6	74.6	72.2
एआईओसी ईडब्ल्यूएस	56.8	80.2	85.4	—	64.0	56.8
एचओजीसी ईडब्ल्यूएस	—	77.0	83.4	—	60.2	—
एससी	43.2	56.6	73.8	—	63.6	67.6
डीएससी	38.8	57.8	85.2	—	67.6	56.8
बीसी-ए	38.2	65.2	86.0	—	60.6	58.0
बीसी-बी	48.6	72.8	86.0	—	68.6	65.8
डीए	—	58.4	—	—	—	—

कॉलेजों में दाखिलों की मेरिट सूची पोर्टल पर हुई अपलोड

नांगल चौधरी। उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने कॉलेजों यूजी दाखिलों की पहली मेरिट सूची पोर्टल पर अपलोड कर दी है। जिसमें शामिल आवेदकों को नौ जुलाई तक फीस जमा कराने की हिदायत दी है। इसके बाद 11 जुलाई को विभाग की ओर से दूसरी मेरिट सूची जनरेट की जाएगी। आपको बता दें कि निदेशालय ने पोर्टल पर 30 जून तक आवेदन स्वीकार किए थे। आवेदनों की वेरीफाई प्रक्रिया पूरी करके चार जुलाई को प्रोविजनल सूची संबंधित कॉलेजों के पोर्टल पर भेजी गई थी। कॉलेज प्रशासन को सूची का अवलोकन करके त्रुटियों की आपत्ति ऑनलाइन पंजीकृत करने के निर्देश दिए गए थे। पांच जुलाई की दोपहर करीब 12:30 बजे विभाग ने कंफर्म मेरिट सूची पोर्टल पर अपलोड की थी। जिसको कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर चस्पा दिया गया है। सूची में आर्ट संकाय की ऑल इंडिया मेरिट 88.8 प्रतिशत रही है। हरियाणा सामान्य वर्ग की 77.2, ईडब्ल्यूएस ऑल इंडिया की 73.3, ईडब्ल्यूएस हरियाणा के आवेदकों की मेरिट 49.6, एससी की 53, डीएससी की 45.2, बीसीए वर्ग की 47.6, बीसीबी कैटेगरी के आवेदकों की दाखिला मेरिट 72.4 प्रतिशत रही है। कॉमर्स संकाय के 42 आवेदकों की मेरिट सूची पोर्टल पर जनरेट हुई है। जिसमें ऑल इंडिया कैटेगरी की मेरिट 88.4, हरियाणा सामान्य वर्ग की 55 प्रतिशत रही है। नॉन मेडिकल संकाय के 73 दाखिलों की सूची अपलोड हुई है। जिसमें ऑल इंडिया कैटेगरी की मेरिट 91.8, हरियाणा सामान्य वर्ग की 82.2, ईडब्ल्यूएस ऑल इंडिया की 82, ईडब्ल्यूएस हरियाणा की 72, एससी की 57, डीएससी की 71.8, बीसीए कैटेगरी की मेरिट 66.6, बीसीबी वर्ग के आवेदनों की मेरिट 79.6 प्रतिशत रही है।

नौ जुलाई तक होगी फीस जमा

शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज के प्राचार्य डा. अनिल यादव ने बताया कि डीएचई ने यूजी दाखिलों की पहली मेरिट सूची पोर्टल पर अपलोड कर दी है। आवेदकों की सुविधा के लिए लिंक मुहैया करवाया गया है। जिस पर पंजीकरण संख्या दर्ज करके अवलोकन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि सूची में शामिल आवेदकों को नौ जुलाई तक फीस जमा करवानी होगी।

सतनाली कॉलेज में बीए में ऑल इंडिया ओपन रही 91.8 प्रतिशत

सतनाली मंडी। स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिला प्रक्रिया के तहत पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई। सतनाली कॉलेज के ऑनलाइन एडमिशन नोडल ऑफिसर अनिल कुमार ने बताया कि बीए की ऑल इंडिया ओपन 91.8 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस ऑल इंडिया ओपन 76, हरियाणा ओपन जनरल 80.8, ईडब्ल्यूएस हरियाणा ओपन जनरल 55.2, एससी 68.8, डीएससी 61.6, बीसीए 39, बीसीबी 58.4, ईएसएमएफएफ 75 प्रतिशत रही। बीकॉम की लिस्ट ऑल इंडिया ओपन 90 प्रतिशत, हरियाणा ओपन जनरल 63.2, बीएससी मेडिकल ऑल इंडियाओपन 88.2 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस ऑल इंडिया ओपन 74.4, हरियाणा ओपन जनरल 78.6, ईडब्ल्यूएस हरियाणा ओपन जनरल 70, एससी 57.4, डीएससी 76.20, बीसीए 68.8, बीएससी नॉन मेडिकल व कम्प्यूटर में ऑल इंडिया ओपन 86.2, हरियाणा ओपन जनरल 54.8 प्रतिशत रही।

पार्क गली के दुकानदारों ने सौंपा ज्ञापन

भारी बरसात के बाद नगर परिषद ने शुरू करवाई नाले की सफाई

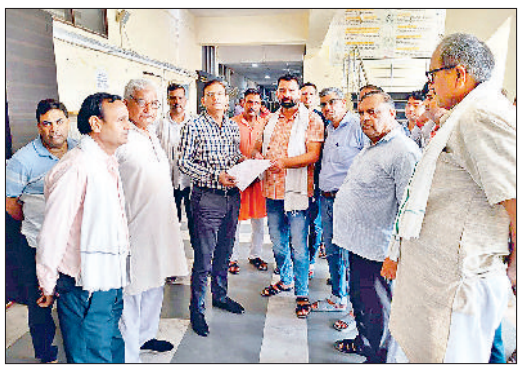

नारनौल। गोपाल गोशाला के सामने नाले की सफाई करती जेसीबी। नारनौल। पार्क गली में बरसात के बाद रह गया कीचड़। नारनौल। डीएमसी महावीर प्रसाद को ज्ञापन सौंपते पार्क गली के दुकानदार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर को डूबोने के बाद आखिरकार नगर परिषद चेती है। नगर परिषद शुक्रवार दोपहर बाद छलक नाले की सफाई शुरू कर दी गई। सफाई गोशाला के सामने से शुरू किया गया है। इस नाले की सफाई के लिए स्टाफ नगर परिषद का लगा है, जबकि जेसीबी ठेके पर ली गई है। दूसरी ओर पार्क गली के परेशान दुकानदारों ने डीएमसी को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें उन्होंने पार्क गली को जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग की है। मानसून सीजन अब धीमी शुरूआत के बाद अब रफ्तार पकड़ चुका है। इसी रफ्तार का ही परिणाम रहा कि एक सप्ताह पहले जहां शहर में मात्र में 6 एमएम बरसात से इस सीजन की शुरूआत हुई थी, वहीं गुरुवार को शहर में 79 एमएम बरसात दर्ज की गई। इस सीजन में अब तक यह चौथी बरसात थी। पहले जो बरसातें हुई, वह महज ठीकठाक था, लेकिन गुरुवार की जोरदार बरसात ने सारा सीन ही चेंज कर दिया। पहले लोग जहां गर्मी एवं उमस से परेशान थे, वहीं इस बरसात ने मौसम को खुशगवार बना दिया, लेकिन यह बरसात शहरवासियों के लिए आफत भी सिद्ध हुई, क्योंकि जिधर देखो, वहीं पानी ही पानी नजर आ रहा था। इसके पीछे कारण नगर परिषद के अधिकारियों की लचर कार्यप्रणाली रही, क्योंकि शहर के छोटे-बड़े नालों एवं नालियों की सफाई बरसात से पहले करवाई ही नहीं गई। इस कारण नालों एवं नालियों में प्लास्टिक आदि का कचरा फंस गया और नालों से पानी की निकासी अवरुद्ध हो गई। इस अवरुद्धता से पार्क गली बुरी तरह प्रभावित हुई और इसमें पांच-छह फुट तक पानी भरने से वह दुकानों में घुस गया। यही हाल कई अन्य जगहों का भी रहा। शहर की जल निकासी का सबसे बड़ा स्त्रोत छलक नाला खुद गंदगी एवं खरपतवार से अटा पड़ा था। जिस कारण भी बरसात का पानी इसमें बहकर जाने की बजाए शहर में चौतरफा फैल गया और इससे लोगों को ज्यादा परेशानी हुई। इस नाले की अवरुद्धता के कारण कई गली-मोहल्लों को जलभराव की समस्या से जूझना पड़ा था। अब बरसात का पानी गुजरने के 24 घंटे बाद नगर परिषद ने इस छलक नाले की सुध ली है। नगर परिषद ने जेसीबी ठेके पर लेकर अपने स्टॉफ को नाले की सफाई के कार्य में लगा दिया है और जेसीबी ने गोपाल गोशाला के सामने नाले की दोपहर बाद सफाई शुरू कर दी। यह नाला यहां पर आधा-अधूरा ही रह गया था, क्योंकि ठेका कंपनी ने पीछे के नाले को तो पक्का कर दिया था, लेकिन यहां से आगे नाला बजट खत्म होने की वजह से पक्का नहीं किया था। जेसीबी द्वारा नाले में उगी खरपतवार को साफ किया गया और गंदगी की भी छंटाई की गई। फिलहाल नाले की गंदगी को इसके किनारे पर ही डाला जा रहा है।

अब कीचड़ से सनी है पार्क गली

गुरुवार को हुई भारी बरसात में पार्क गली के दुकानदार जहां जलभराव से परेशान थे, वहीं पानी गुजर जाने के बाद अब कीचड़ से दुखी हैं। पार्क गली में काला-काला कीचड़ बना हुआ है, जिसमें से पैदल ग्राहक उसमें पैर रखने से हिचकिचाते हैं, जिस कारण पार्क गली के दुकानदारों की दुकानदारी दूसरे दिन भी बुरी तरह प्रभावित रही। जबकि आम दिनों में इस मार्केट में कई लाखों का बिक्री हो जाता है। रेडीमेड कपड़ों एवं जूता-चप्पलों खासकर युवाओं की पसंद का माल इसी मार्केट में मिलता है और ग्राहक यहां टूटकर पड़ते हैं, लेकिन बरसात के दिनों में यह मार्केट पिटी हुई है। इसी को लेकर शुक्रवार को यहां के व्यापारियों ने डीएमसी महावीर प्रसाद को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने बरसात के पानी की निकासी एवं कीचड़ साफ कराने की मांग की। इस मौके पर प्रधान धर्मबीर यादव, विजय यादव, बनवारी लाल, बिल्लू यादव, रोहतास सैनी, सतीश शर्मा, हनुमान यादव, मोहनलाल सरपंच, जयप्रकाश गोयल कारोता, अजय अग्रवाल, अजीत फौजी, अजय शर्मा, प्रमोद यादव, अनिल कुमार, अविनाश, राजकुमार एवं कन्हैया आदि मौजूद थे।

नारनौल। एसपी से मिलने आए गांव चंदपुरा के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

युवक के हाथ-पैर तोड़ने वालों को गिरफ्तार करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव चंदपुरा के सैकड़ों ग्रामीणों ने शुक्रवार को चंदपुरा सरपंच प्रतिनिधि धर्मेन्द्र यादव के नेतृत्व में रोहित वासी चंदपुरा के दोनों हाथ-पैर तोड़ने वाले आरोपित यशवंत वासी चंदपुरा, अमित, अंकित वासी अटेली के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर एसपी अर्श वर्मा से मुलाकात की।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने एसपी को आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने, जेब से पैसे निकालने की पुलिस की ओर से धारा नहीं लगाने, एमएलआर में आईओ की ओर से कांट-छांट करने के खिलाफ समस्या समाधान शिविर लघु सचिवालय में शिकायत दी। इस अवसर पर गांव चंदपुरा की महिला कविता, कमला, मनीता ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि गांव में यह 20वीं अपराध की घटना है। प्रेमलता, कमला, कमलेश, सरोज, बाला, रेवती रेनू आदि महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को बताया कि पुरानी हवेलियों में असामाजिक तत्व जुआ खेलते है और शराब पीते हैं। जिससे गांव के युवा नशे की जद में जा रहे हैं और युवा भटकाव के शिकार होकर अपराध की ओर जाकर अपना भविष्य चोपट कर रहे हैं, जो अभिभावकों के लिए भारी चिंता का विषय है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को चेताया कि तीन दिन में रोहित के हाथ पैरों को तोड़ने वाले दोषियान को गिरफ्तार नहीं किया तो गांव चंदपुरा के बस स्टैंड पर 11 गांवों की महापंचायत नौ जुलाई को की जाएगी।

एसपी से मिले ग्रामीण

इस अवसर पर ग्रामीण एसपी से मिले। पुलिस अधीक्षक ने अटेली एसएचओ को तीन दिन में आरोपितों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए तथा गांव चंदपुरा में अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने को कहा। ज्ञापन देने वालों में सुबेसिंह प्रवक्ता, रिटायर्ड हेडमास्टर सुबेसिंह, सरपंच प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव, राजेंद्र पूर्व पंच, सुभाष पूर्व पंच, साजेंर्ट धर्मपाल यादव, बीरसिंह, दयाराम, अमर सिंह, विरेंद्र, वेदप्रकाश, महीपाल, रमेश, राजपाल, अशोक, कर्णसिंह, संजय, रामानंद, धन्नाराम पीटीआई, मामन, नीलम, रेवती, सविता, प्रेमलता, कमलेश, मनीता, सरोज, कृष्णा, धनपत, नगेंद्र, बाला, रेणु आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

सोहन टैनी को मैनेजर व विकास तिवाड़ी को रामलीला परिषद् का कलाकार प्रधान बनाया

- प्रधान दिनकर बोहरा ने अन्य वरिष्ठ सदस्यों को भी सौंपी जिम्मेदारी

ये बनाए गए कार्यकारिणी सदस्य : कुलदीप कानोडिया, हरीश कौशिक, गिरधर गोपाल, महेश तनेजा, दीनदयाल शर्मा, अनिल दिल्लीवान, दीपक गौड़, अभिषेक डागर, अजय कानोडीया, कमल डागर, चंद्रमोहन को कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई।

महेंद्रगढ़। रामलीला परिषद् की कार्यकारिणी का गठन वीरवार देर शाम को परिषद् के प्रधान दिनकर बोहरा द्वारा किया गया। नवगठित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों को परिषद् प्रधान द्वारा अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। रामलीला परिषद् के वयोवृद्ध सदस्य एवं पूर्व प्रधान चेतनप्रकाश गौड़ को संरक्षक, पूर्व प्रधान अनिल कौशिक को संरक्षक तथा घीसाराम सैनी व आनंद शर्मा को संरक्षक बनाया गया। इसके अलावा रामचंद्र जांगड़ा, राजेश लावनिया, दिनेश मेहता व सुनील यादव को उपप्रधान बनाया गया। सोहन टैनी को मैनेजर, सुभाष तिवाड़ी को सचिव, अनिल सेठ को कोषाध्यक्ष व विकास तिवाड़ी को कलाकार प्रधान बनाया गया। गिरीश कानोड़िया महानिर्देशक तथा प्रमोद तिवाड़ी को निर्देशक बनाया गया। इसके साथ-साथ प्रवीण गौड को मुख्य कलाकार एवं राजेश दिल्लीवान व मास्टर विजेंद्र सिंह को भी सलाहकार बनाया गया। राजेश बोहरा को ऑडिटर और राजेंद्र पोपली व विक्की प्रजापत को सह सचिव बनाया गया। इसके अतिरिक्त शरद कानोडिया रूप सज्जा निर्देशक और सहायक प्रबंधन बिट्टू सैनी व प्रदीप सेन को बनाया गया। तकनीकी निर्देशक अशोक जांगड़ा, नीरज तिवाड़ी प्रवक्ता, सतीश गौड़ को संगठन मंत्री, सुरेश पंचोली को मीडिया प्रभारी, अरविंद जांगड़ा को मंच संचालन की जिम्मेदारी दी गई।

महेंद्रगढ़। हिंसा को लेकर विरोध प्रदर्शनी करती महिलाएं।

हिंसा के विरोध में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। शहर के आंबेडकर चौक पर शुक्रवार को महिला जागृति मंच की ओर से संयोजिका ललिता अमित भारद्वाज के नेतृत्व में महिलाओं ने पश्चिम बंगाल में हो रही हिंसा पर विरोध प्रदर्शन किया। ललिता अमित भारद्वाज ने बताया पश्चिम बंगाल, बिहार हुई घटना को लेकर समाज में काफी रोष हैं। पश्चिम बंगाल में आए दिन महिलाओं की बिगड़ती हुई स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। कानून और व्यवस्था केवल शब्दकोष तक सिमटकर रह गई हैं। यह घटना से सभ्य समाज का मस्तक लज्जा से झुका देने वाली हैं। निरीह, निरपराध नागरिकों का और विशेषतः महिलाओं का शोषण और दर्दनाक उत्पीड़न सर्वथा निंदनीय है। भारतीय संविधान की धज्जियां उड़ानेवाली ये घटनाएं तालिबानी शासन का स्मरण कराती है। उन्होंने घटना की न्यायिक जांच कराकर आरोपितों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। इस दौरान महिलाओं ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन भी किया। इस मौके पर ललिता, बबली, डॉ. शोभा यादव, मंजू, अनीता, शकुंतला, लाली, मिथिलेश, सुषमा, सविता, बनारसी, मंजू, कृष्णा, भगवती, अमित भारद्वाज, रामजीवन मित्तल, मनोहर, कमल सैनी उपस्थित रहे।

- डीसी ने फीडबैक के आधार पर दिए महत्वपूर्ण सुझाव अधिकारी स्टेशन मेंटेन करें
- मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने डीसी मोनिका गुप्ता के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिलों के डीसी के साथ विभिन्न विषयों को लेकर बैठक की। जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने जिले की रिपोर्ट दी। साथ ही डीसी ने फीडबैक के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन का रीयल टाइम डाटा भेजने का सुझाव दिया। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी स्टेशन मेंटेन करेंगे। अगर कोई अधिकारी बिना बताए स्टेशन छोड़ेंगे तो कारवाई होगी। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविरों में आने वाली हर शिकायत को गंभीरता के साथ लें। अधिकारियों की हाजिरी सुनिश्चित करें। साथ ही हर रोज समय पर रिपोर्टिंग करें। जिले में लगभग 51 फीसदी से अधिक शिकायतें मौके पर ही निपटाई जा रही हैं। इससे लोगों को काफी राहत मिली है। शेष शिकायतें नीति निर्धारण से संबंधित है, उन्हें उसी दिन मुख्यालय भेजा जा रहा है। 70 फीसदी शिकायतें परिवार पहचान पत्र को लेकर आ रही हैं। पीपीपी अलग करवाने, अवैध कब्जे, पैमाईश व डिमांड में समय लग रहा है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का मकसद पब्लिक लाइफ को आसान बनाना है। लोगों का दुःख दर्द दूर करना हमारी पहली जिम्मेदारी है। चाहे बरसात हो या धूप समाधान शिविर हर हाल में नौ से 11 बजे तक लगेंगे।

70 फीसदी शिकायतें परिवार पहचान पत्र से जुड़ीं

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मौजूद डीसी मोनिका गुप्ता।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, डीएमसी महावीर प्रसाद, एसडीएम कनीना सुरेंद्र सिंह, एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी मयंक भारद्वाज व सीटीएम मंजीत सिंह के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बारिश को लेकर प्रशासन अलर्ट, बाढ़ प्रबंधों को लेकर डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

जन स्वास्थ्य विभाग के पास 35 व सिंचाई विभाग के 24 पंप सेट तैयार

- आपातकाल स्थिति में कंट्रोल रूम नंबर 01282-251209 पर करें फोन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में बाढ़ प्रबंधों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने जिला में उपलब्ध मशीनरी व मानव संसाधनों की समीक्षा की। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की बारिश के सीजन के दौरान सभी अधिकारी 24 घंटे अलर्ट रहें। कहीं भी जल भराव की स्थिति हो तो तुरंत मौके पर जाकर स्थिति का मुआयना करें। इस मौके पर जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग के पास जिले में 35 पंप सेट है। वहीं सीवर लाइन की सफाई के लिए दो जेट मशीन भी उपलब्ध है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में सिंचाई विभाग के पास 24 पंप सेट है। इनमें से 10 पंप सेट बिजली के तथा 14 पंपसेट डीजल से चलने वाले हैं। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी मशीनरी तथा मानव संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करते हुए जिला में जल भराव की स्थिति को रोकना है। डीसी ने बताया कि जिला स्तर पर एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। कोई भी नागरिक 01282-251209 पर फोन करके जल भराव के बारे में जानकारी दे सकता है। लघु सचिवालय में प्रथम तल पर स्थित इस कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारियों की तैनाती रहती है।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेती उपायुक्त मोनिका गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस बैठक में एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, डीएफओ राजकुमार, डीएमसी महावीर प्रसाद, एसडीएम कनीना सुरेंद्र सिंह, एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी मयंक भारद्वाज, सीटीएम मंजीत सिंह, जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कल निकाली जाएगी श्रीजगन्नाथ प्रभु की यात्रा

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन की ओर से सात जुलाई को श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के उपलक्ष्य में भव्य श्री जगन्नाथ महाप्रभु की यात्रा का आयोजन किया जाएगा। संगठन के मीडिया प्रभारी सोमदेव शर्मा ने बताया कि यात्रा प्रातः छह बजे अग्रसेन कॉलोनी गली नंबर दो रेलवे रोड स्टेशन के सामने से आरंभ होगी। जिसमें मुख्य यजमान गोपाल गर्ग होंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005